Monthly advisory to the farmers March

- बरसात होने पर ठण्ड का प्रबंधन करें |
- दिन रात के तापमान के अंतर से पशुओं का बचाव करें।
- बाह्य परजीवी से होने वाले रोग (सर्रा इत्यादि) से बचाव हेतु बाह्य परजीवी नियंत्रण करें ।
- सर्रा रोग के लक्षण (अंधापन, तेज बुखार, पागलपन आदि) का ध्यान रखें ।
- मुंह खुर, गलघोंटू के बचाव का टीकाकरण पशु चिकित्सक के परामर्श से करें ।
- पशुओं में सही पाचन हेतु स्वच्छ पानी की उपलब्धता सदैव बनाएं रखे ।